श्रीमती पुश्पा जोषी एल0टी0 सामाजिक विज्ञान बी0एल0एस0रा0बा0इ0का0ऐंचाली,पिथौरागढ

भारत आकार स्थिति व विस्तार

भारत एषिया महाद्वीप के दक्षिण मध्य भाग में स्थित है। यह एक विषाल देष है, और भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित होने से उत्तरी गोलार्द्ध में व ग्रीनविच रेखा से पूर्व में होने से इसकी स्थिति पूर्वी गोलार्द्ध की है। पूर्वी गोलार्द्ध में भारत की स्थिति केन्द्रीय है। इस स्थिति के कारण ही प्राचीन काल में भारत ने पष्चिम में अरब देषों से तथा दक्षिण पूर्व एषिया के साथ सांस्कृतिक एवं व्यापारिक सम्बन्ध स्थापित कर लिए थे। भारत की इस स्थिति का महत्व इस बात से और भी स्पश्ट हो जाता है कि देष के साथ लगे महासागर का नाम हिन्द महासागर पडा।

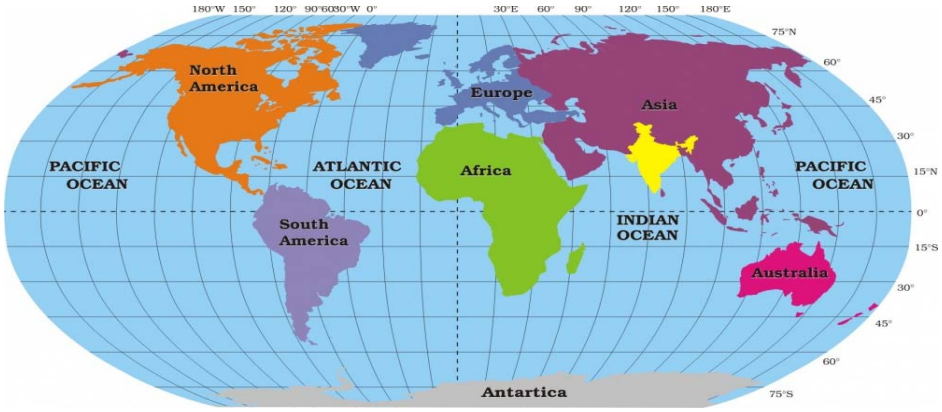

संसार में भारत की स्थिति

अक्षांषीय विस्तार –– ग्लोब पर विशुवत रेखा के समान्तर पूर्व से पष्चिम में खीची गई रेखाऐं अक्षांष रेखायें हैं। यह काल्पनिक रेखायें हैं। जो किसी स्थान की स्थिति को जानने के लिए खींची गयी हैं। भारत जिन अक्षांषों के बीच स्थित है,वह 8 डिग्री 4 मिनट उत्तर (8ह 4ञछ) से 37 डिग्री 6 मिनट उत्तरी (37ह 6ञछ) अक्षांष है। भारत का दक्षिण भाग उश्ण कटिवन्ध (गर्म क्षेत्र) और उत्तरी भाग षीतोश्ण कटिवन्ध में स्थित है।

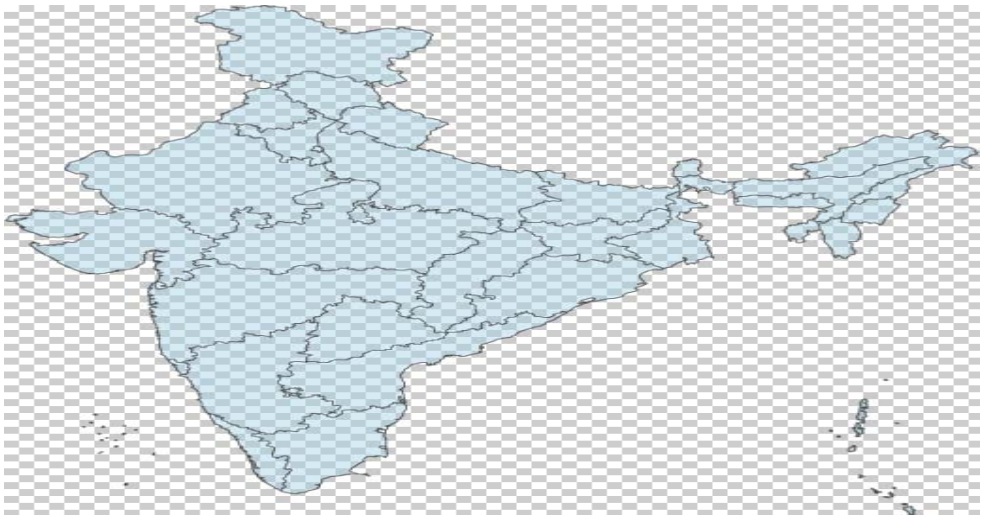

भारत का अक्षांषीय विस्तार

देषान्तरीय विस्तार –– देषान्तर रेखायें उत्तरी ध्रुव को दक्षिणी ध्रुव से मिलाने वाली रेखायें हैं। हमारे देष का देषान्तरीय विस्तार 68 डिग्री 7 मिनट पूर्व(68ह 7ञ म) से 97 डिग्री 25 मिनट पूरव (97ह 25ञ म) है। क्यों कि 0 डिग्री(0ह) देषान्तर लन्दन से होकर गुजरती है। और हमारा देष इसके पूर्व में स्थित होने के कारण पूर्वी गोलार्द्व में आता है।

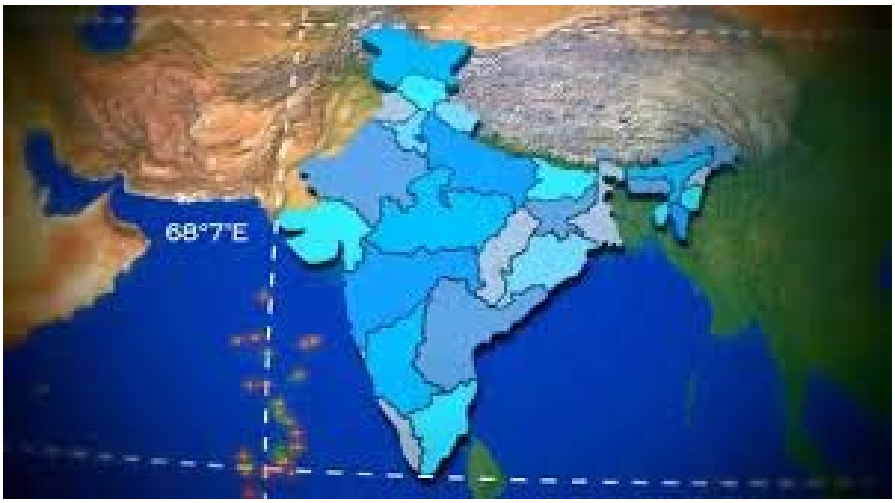

भारत का देषान्तरीय विस्तार

प्रष्न – 82 डिग्री 30 मिनट पूर्वी देषान्तर को भारत की मानक याम्योत्तर क्यों माना जाता है?

उत्तर – पूरे देष में एक ही समय को स्वीकार करने के लिए भारत में 82 डिग्री 30 मिनट.(82) °म)पूर्वी देषान्तर रेखा को भारत की मानक याम्योत्तर माना गया है। यह रेखा भारत के लगभग मध्य से गुजरती है जो कि इलाहाबाद के नैनी स्थान में है। मानक समय वह है जो किसी देष के लोगों के लिए व्यवहार के लिए स्वीकृत होता है। इसलिए प्रत्येक देष में समय निर्धारण के लिए मानक मध्यान्ह रेखा का निर्धारण आवष्यक है।

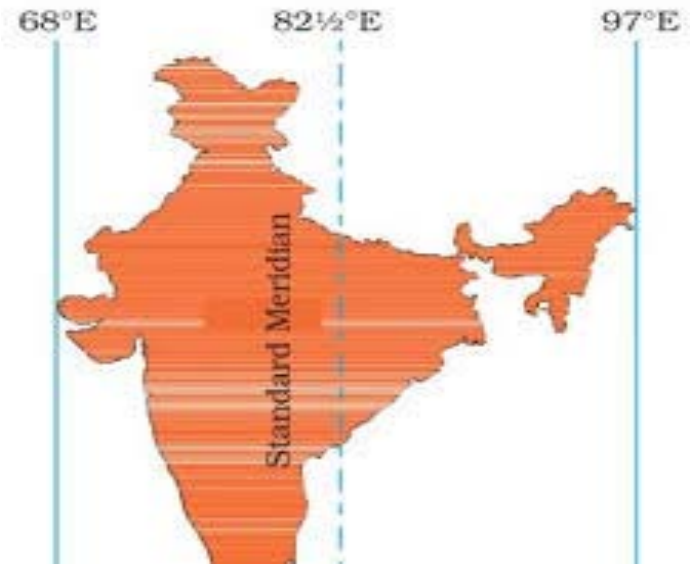

भारत की मानक मध्यान्ह रेखा

भारत के मध्य से गुजरने वाली अक्षांष रेखा ——— कर्क रेखा (23)ह) अक्षांष रेखा भारत को दो भागों में बांटती है। उत्तरी भाग व दक्षिणी भाग। जो भारत के पष्चिम से पूर्व तक आठ राज्यों से होकर गुजरती है, जो निम्न हैं और मानचित्र में इनकी स्थिति दर्षायी गई है।

1– गुजरात 2– राजस्थान 3– मध्य प्रदेष 4– छत्तीसगढ 5– झारखण्ड 6– प0 बंगाल 7– त्रिपुरा 8– मिजोरम

भारत की स्थलीय सीमा —— भारत की स्थलीय सीमा की लम्बाई लगभग 15200 किमी है। इसका उत्तरी– दक्षिणी विस्तार 3214 किमी तथा पूर्व–पष्चिम विस्तार 2933 किमी है। उत्तरी सीमा चीन,नेपाल तथा भूटान देषों से मिलती है। भारत चीन के मध्य की सीमा को मैकमोहन रेखा कहते हैं। जो सिक्किम राज्य से म्यांमार की सीमा तक है।

भारत की पष्चिमी सीमा पाकिस्तान से मिलती है। गुजरात,राजस्थान,पंजाब तथा जम्मू कष्मीर राज्यों की सीमायें पाकिस्तान को पृथक करती हैं।

भारत की पूर्वी सीमा बांग्लादेष से मिलती है। प0बंगाल,असम,मेघालय,त्रिपुरा एवं मिजोरम इसके सीमांत राज्य हैं। म्यांमार की सीमा पर भारत के अरुणांचल प्रदेष,नागालैण्ड,मणिपुर तथा मिजोरम राज्य स्थित हैं।

भारत की स्थल सीमा

श्रीमती पुश्पा जोषी एल0टी0 सामाजिक विज्ञान बी0एल0एस0रा0बा0इ0का0ऐंचाली,पिथौरागढ

भारत की तट रेखा –– भारत के दक्षिण में तट रेखा की लम्बाई 7516.6 किमी है, जिसमें अण्डमान–निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप समूह तट रेखा की लम्बाई भी सम्मिलित है।

भारत की समुद्री (तट) सीमा

क्षेत्रफल की दृश्टि से संसार में भारत का स्थान – भारत का क्षेत्रफल32.8 लाख वर्ग कि0मी0 है जो विष्व भौगोलिक क्षेत्रफल का केवल 2.4 प्रतिषत हैं।जबकि यहां विष्व की 16.7प्रतिषत जनसंख्या निवास करती है। भारत विष्व का सातवां बडा देष है

हमारे देष से क्षेत्रफल में बडे अन्य देषों के नाम निम्न हैं–

1–रुस 2–कनाडा 3–सं0 रा0 अमेरिका 4–चीन 5–ब्राजील 6–आस्ट्रेलिया 7–भारत

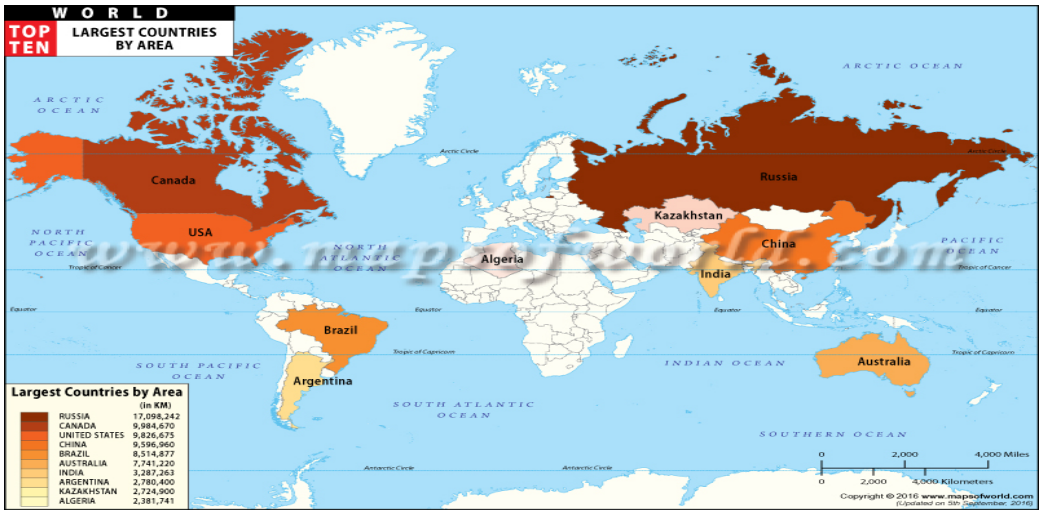

क्षेत्रफल में भारत से बडे देषों के नाम

श्रीमती पुश्पा जोषी एल0टी0 सामाजिक विज्ञान बी0एल0एस0रा0बा0इ0का0ऐंचाली,पिथौरागढ